



आय सृजन गतिविधि
व्यवसाय योजना
कटाईऔरसिलाई एवं बैग निर्माण
2022



एसएचजी/नाम : रोशनी स्वयं सहायता समूह
वीएफडीएस नाम : बनखंडी माता भलेड
एफटीयू/रेंज : शाहपुर
डीएमयू/मंडल : धर्मशाला
एफसीसीयू / सर्कल : धर्मशाला
द्वारा प्रायोजित द्वारा तैयार:-
पीआईएचपीफेम और एल डीएमयू धर्मशालाएफटीयू शाहपुर और रोशनी स्वयं सहायता समूह

विषयसूची

विवरण	पेज
परिचय	3
कार्यकारी सारांश	4
स्वयं सहायता समुह का विवरण	4-7
गांव का भौगोलिक विवरण	7
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	8
उत्पादन योजना का विवरण	8
विपणन /बिक्री का विवरण	8-9
अर्थशास्त्र का विवरण	9-10
वित्त की आवश्यकता	10-11
निगरानी विधि	11
टिपणी	12
व्यवसाय योजना स्वेटर एवं बैग बनाना	12
कार्यकारी सारांश	12
आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण।	12
उत्पादन योजना का विवरण	13
अर्थशास्त्र का विवरण	13-14
फंड की आवश्यकता	15
अनुलग्नक	16-17

परिचय

हिमाचल प्रदेश राजसी, पौराणिकभूभाग है और अपनी सुंदरता और शांति, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। राज्य में विविध पारिस्थितिकी तंत्र, नदियाँ और घाटियाँ हैं, और इसकी आबादी 7.5 मिलियन है और यह 55,673 वर्ग किमी में शिवालिक की तलहटी से लेकर मध्य पहाड़ियों (MSL से 300 - 6816 मीटर ऊपर), ऊँची पहाड़ियों और ऊपरी हिमालयके ठंडे शुष्क क्षेत्रों को शामिल करता है। यह घाटियों में फैला हुआ है जिसमें कई बारहमासी नदियाँ बहती हैं। राज्य की लगभग 90% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। कृषि, बागवानी, जल विद्युत और पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण घटक हैं। राज्य में 12 जिले हैं और इसका आबादी घनत्व काफी है।

यह जिला पंजाब की सीमा से सटा हुआ है और अपने पर्यटन स्थलों और हिमालयी यात्राओं के लिए प्रवेश द्वार है, कांगड़ा जिला से हिमालयी यात्राओं के लिए रास्ते बिलासपुर, हमीरपुर एवं चम्बा जिलों से जोड़ते है।

यह जिला प्राचीन बस्तियों और पारंपरिक खेती के किये प्रसिद्ध है जिसकी व्यास नदी मुख्य जीवन रेखा है। जिसमे पोंग बाँध का निर्माण किया गया है।

वन और वन पारिस्थितिकी तंत्र समृद्ध जैव विविधता के भंडार हैं, और नाजुक ढलान वाली भूमि को संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ग्रामीण आबादी के लिए आजीविका के प्राथमिक स्रोत थे। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वन संसाधनों पर सीधे निर्भर हैं। कठोर वास्तविकता यह है कि चारा, ईंधन, एनटीएफपी निकासी, चराई, आग और सूखा आदि जैसे अत्यधिक दोहन के कारण ये संसाधन लगातार कम हो रहे हैं।

बनखंडी माता भलेड वन ग्रामीण विकास समिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समुहों का गठन किया गया है। इनमें से एक है, "रोशनी" समान रूचि समूह, कटाई, सिलाई और बैग निर्माण से संबंधित है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और उनके पास कम भूमि जोत है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कटाई, सिलाई और बैग निर्माण करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए दल जिसमें विजय कुमार, विषय विशेषज्ञ कार्यालय वनमंडल सुकेत, बबीता, विषय विशेषज्ञ कार्यालय वनमंडल धर्मशाला, श्री मनोहर लाल सेवानिवृत्त हि प्र व से शामिल रहे और डॉक्टर संजीव शर्मा द्वारा विशेष रूचि एवं योगदान तथा वेद प्रकाश पठानिया सेवानिवृत्त हि० प्र० व० से ० के निरंतर पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में व्यवसाय योजना तैयार करने में योगदान रहा।

कार्यकारी सारांश

बनखंडी माता भलेड वन ग्रामीण विकास समिति:-

बनखंडी माता भलेड ग्रामीण वन विकास समिति भलेड राजस्व मुहाल का हिस्सा है और ग्रामीण वन विकास समिति ग्राम पंचायत भलेड के वार्ड न 5 में बनी है। यह हिमाचल प्रदेश में काँगड़ा जिले के शाहपुर ब्लॉक में स्थित है और 32.2716795 डिग्री उत्तर अक्षांश- 76.2160213 डिग्री पूर्व देशांतर के बीच स्थित है। बनखंडी माता भलेड ग्रामीण वन विकास समिति धर्मशाला वन मंडल प्रबंधन इकाई (डीएमयू) में शाहपुर रेंज के रिडकमार वन ब्लॉक के डूल्ली बीट के अंतर्गत आता है।

परिवारों की संख्या	86
बीपीएल परिवार	12 =14%
कुल जनसंख्या	365

स्वयं सहायता समूहका विवरण

अनौपचारिक रोशनी स्वयं सहायता समूह का गठन सितम्बर 2019 में भलेड वन ग्रामीण विकास समिति के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं। रोशनी स्वयं सहायता समूह महिला समूह (11महिलाएं) है जिसमें कम भूमि संसाधन वाले समाज के सीमांत और वित्तीय कमजोर वर्ग शामिल हैं। हालांकि समूह के सभी सदस्य मौसमी सब्जियां आदि उगाते हैं, लेकिन चूंकि इन सदस्यों की भूमि बहुत छोटी है और सिंचाई की सुविधा कम है और उत्पादन का स्तर संतृप्ति के करीब पहुंच गया है, इसलिए अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने आगे बढ़ने का फैसला किया। कटाई, सिलाई और बैग निर्माण जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सकती है। इस समूह में 11 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 50/- रुपये प्रति माह है। समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

फोटो के साथ स्वयं सहायता समूह सदस्यों का विवरण

क्र स	नाम	पद	वर्ग	उम्र	शैक्षणिक योग्यता	मोबाइल नंबर
1.	श्रीमती सिमला देवी पुर्वी श्री प्रशांत प्रियंका	प्रधान	सामान्य	50	दोषी	88940 53811
2.	श्रीमती देवी फनी वरिषासिंह	उप-प्रधान	-cb-	30	पाचवी	86286 64334
3.	श्रीमती देवी श्री कमलामिश्र	सदस्य	-cb-	36	आठवी	98055 27889
4.	श्रीमती देवी श्री संतोषकुमार	सचिव	-cb-	27	बारहवी	62302 63447
5.	श्रीमती देवी श्री रमेश कुमार	सदस्य	-cb-	32	आठवी	98169 52231
6.	श्रीमती देवी श्री रविन्द्र कुमार	-cb-	-cb-	62	अनपढ़	98165 15491
7.	श्रीमती देवी श्री प्रतापसिंह	-cb-	-cb-	54	-cb-	86280 33515
8.	श्रीमती देवी श्री संजीवकुमार	-cb-	-cb-	34	आठवी	78073 88045
9.	श्रीमती देवी श्री हरनाथ सिंह	-cb-	-cb-	27	दसवी	98059 19952
10.	श्रीमती देवी श्री प्रमोद सिंह	-cb-	-cb-	38	पाचवी	62300 45570
11.	श्रीमती देवी श्री कर्कर	-cb-	-cb-	48	अनपढ़	98161 43574
12.						
13.						
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						

स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

क्रम संख्या	नाम	पद
1	सिमलो देवी	प्रधान
2	विना देवी	उप प्रधान
3	अनिता देवी	सदस्य
4	रंजना देवी	सदस्य
5	पवना देवी	सदस्य
6	रत्नो देवी	सदस्य
7	त्रिक्लो देवी	सदस्य
8	पंजो देवी	सदस्य
9	नीतु देवी	सदस्य
10	रीना देवी	सदस्य
11	मीना देवी	सदस्य

रोशनी स्वयं सहायता समूह

एसएचजी का नाम	::	रोशनी
एसएचजी/सीआईजी एमआईएस कोड संख्या	::	-
वीएफडीएस	::	बनखंडी माता भलेड
परिक्षेत्र	::	शाहपुर
वन मण्डल	::	धर्मशाला
गांव	::	भलेड
खंड	::	शाहपुर
ज़िला	::	कांगड़ा
एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	::	11
गठन की तिथि	::	सितम्बर 2019
बैंक का नाम और विवरण	::	Punjab National Bank Darini
बैंक खाता संख्या	::	1998000102150082
एसएचजी/मासिक बचत	::	₹.50/-माह
कुल बचत	::	32800/-
कुल अंतर-ऋण	::	हां
नकद ऋण सीमा	::	-
चुकौती स्थिति		तिमाही आधार

गांव का भौगोलिक विवरण

जिला मुख्यालय से दूर	:	40किमी
मेन रोड से दूर	:	12 km (लेकिन मुख्य सड़क से 100 से 200 मीटर तक) लगभग
स्थानीय बाजार और दूर का नाम	:	शाहपुर 12 किमी, धर्मशाला 40 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम और दूर	:	शाहपुर 12 किमी, धर्मशाला 40 किमी लगभग ।
प्रमुख शहरों के नाम जहां उत्पादों को बेचा/विपणित किया जाएगा	:	शाहपुर, धर्मशाला
बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की स्थिति	:	पिछलीकड़ी प्रशिक्षण, (कृषि विज्ञान केन्द्र) और अग्रिमकड़ी बाजार आपूर्तिकर्ताओं में निहित है आदि।

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

उत्पाद का नाम	::	सिले सूट
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतृप्ति बिंदु तक पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि कटाई, सिलाई और बैग निर्माण से उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लगता है	::	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार/ स्थानीय लोग
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रति दिन अपेक्षित सिले सूट	::	शुरुआत में 5 सूट

विपणन /बिक्री का विवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	अन्तर्निहित गांव – भलेड
	::	आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
सिलाई कार्य की मांग	::	पूरे साल और उत्सव और शादी के अवसरों के समय उच्च मांग।
बाजार के पहचान की प्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणन रणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

संकट विश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे (अर्थात कच्चे माल की खरीद आदि)
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण:

पूंजी लागत			
विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (₹.)
सिलाई मशीन	05	8000	40000
इंटरलॉक मशीन	1	6000	6000
दर्जी कैंची	10	400	4000
सिलाई रूलर (फीता) सेट	10	600	6000
सिलाई दर्जी Tap	10	100	1000
आयरन प्रेस	2	500	1000
अलमारी	3-4	लगभग	5000
कांटा	2 सेट	400	800
कुर्सियों, मेज आदि	लगभग	लगभग	5000
कुल पूंजीगत लागत (ए) =			68800

बी।	आवर्ती लागत				
अनु क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (₹.)
1	सिलाई के धागे	रीलों/सूट/माह	180	10	1800
2	अन्य परिष्करण सामग्री (बुकरम, कॉलर आदि)	सूट/माह	लगभग	लगभग	4000
3	किराया	महीना			1000
4	अन्य (स्थिर, बिजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत (बी)					7800

उत्पादन की लागत (मासिक)	
विवरण	राशि (रु.)
कुल आवर्ती लागत	7800
पूँजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल	8400

सिले हुए सूट की कीमत (प्रति सूट)				
विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
साधारण सूट	1	1	250-300	
अन्य (प्लाज़ो, अस्तर आदि)	1	1	300-350	

आय और व्यय का विश्लेषण (मासिक):

विवरण	राशि (रु.)
पूँजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	600
कुल आवर्ती लागत	7800
प्रति माह कुल सिले सूट	150 (लगभग मात्रा)
सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	250
आय सृजन (150*250)	37,500
शुद्ध लाभ (37,500 - 8700)	28,800
शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

वित् की आवश्यकता:

विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	सी आईजी योगदान
कुल पूँजी लागत	68800	51600	17200
कुल आवर्ती लागत	7800	0	7800
प्रशिक्षण	50000	50000	0
कुल	126600	101600	25000

ध्यान दें-

- पूँजीगत लागत - परियोजना के तहत कवर की जाने वाली पूँजीगत लागत का 75%
- आवर्ती लागत - एसएचजी/सीआईजी द्वारा वहन किया जाना।
- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन - परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा

वित्त स्रोत:

परियोजना का समर्थन:	<ul style="list-style-type: none"> • पूंजीगत लागत का 75% मशीनों की खरीद के लिए उपयोग किया जाएगा। • SHG बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। • प्रशिक्षण/क्षमतानिर्माण/कौशल उन्नयन लागत। 	सभी कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों की खरीद की जाएगी।
स्वयं सहायता समूह योगदान	<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> पूंजीगत लागत का 75% एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा। <input type="checkbox"/> स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाने वाली आवर्ती लागत 	

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- टीम वर्क
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और मार्केटिंग
- वित्तीय प्रबंधन

ऋण चुकौती अनुसूची- यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूलधन का बैंकों को साल में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

निगरानी विधि -

- वीएफडीएस की सामाजिक लेखा परीक्षा समिति आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।
- स्वयं सहायता समूह को प्रत्येक सदस्य के आईजीए की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और प्रक्षेपण के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

टिपणी:

समूह की आगामी आय को ध्यान में रखते हुए समूह द्वारा दूसरी प्रस्तावित गतिविधिबैग निर्माणहै क्योंकि यह निर्णय सिद्धान्तिक रूप में समीक्षा मिशनके समय लिया गया,है कि एक व्यवसाय योजना में एक से अधिक गतिविधि सम्मिलित की जानी चाहिए, अतः दूसरी प्रस्तावित गतिविधि नीचे संलग्न है।

व्यवसाय योजना

बैग बनाना

द्वारा

रोशनी स्वयं सहायता समूह

कार्यकारी सारांश

बैग उत्पादन एक तरीका है जिससे लोगो को आर्थिक लाभ होगा व ग्रामीण बैग उत्पादन कम खर्चे पर करके अपनी आजीविका में सुधार ला सकते हैं। इसके माध्यम से गरीब परिवार अपनी आय में पर्याप्त बढ़ोतरी कर सकते हैं। कम कीमत पर अच्छी किस्म का उत्पादन करने के लिये प्रशिक्षण और उन्नत किस्म मशीने समूह को अनुदान पर प्रदान की जायेंगी। जिस से समूह के अच्छी किस्म के उत्पाद कम समय में तैयार कर सकते हैं और अधिक आय अर्जित कर सकते हैं।

आयसृजनगतिविधिसेसंबंधितउत्पादकाविवरण।

उत्पादकानाम	::	बैग
उत्पाद पहचान की विधि	::	हालांकि समूह का पूरा सदस्य मौसमी सब्जी और पारंपरिक फसलें उगाता है। चूंकि उनकी भूमि जोत छोटी है, उत्पादन के संतुष्टि बिंदु पर पहुंच गई है, इसलिए वे अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं, इसलिए समूह के सदस्य द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि जे आईसीए परियोजना की सहायता से बैग बनाना शुरू किया जाना है, जो उनकी आय में वृद्धि होगी।
एसएचजी/सीआईजी/ की सहमति समूह	::	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

उत्पादन योजना का विवरण

समय लिया	::	बैग के प्रकार और आकार के आधार पर 1 बैग को पूरा होने में लगभग 1-2 घंटे लगते हैं
शामिल महिलाओं की संख्या	::	सभी महिलाएं।
कच्चे माल का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
अन्य संसाधनों का स्रोत	::	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
प्रतिदिन अपेक्षित सिले बैग	::	शुरू में 4 बैग

विपणन/बिक्रीकाविवरण

संभावित बाजार स्थान / स्थान	::	आच्छा दित गांव – भलेड आस-पास के संस्थान - स्कूल, कॉलेज आदि
बैगकीमांग	::	सालभर(लंच बॉक्स और पानी की बोतलों के लिए बैग और उत्सव, शादी के अवसरों पर यात्रा के लिए कैरी बैग की मांग अधिक होती है
बाजारकीपहचानकीप्रक्रिया	::	समूह के सदस्य आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से संपर्क करेंगे।
विपणनरणनीति		एसएचजी सदस्य सीधे आस-पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थाओं से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

जोखिमविश्लेषण

- कौशल आधारित
- जरूरत अनुसार
- अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से एसएचजी समूह के सदस्य कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार काम का बंटवारा किया जाएगा।

- समूह के कुछ सदस्य प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया (यानी – कच्चे माल की खरीद आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे।
- समूह के कुछ सदस्य पैकेजिंग और मार्केटिंग में शामिल होंगे।

अर्थशास्त्र का विवरण :

आवर्ती लागत					
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	कीमत	कुल राशि (रु.)
1	बैग बनाने के लिए कपड़ा (जूटऔरमोटीकपास)		30 mt	150 / mt.	4500
2	मेटी		30 mt	120	3600

3	सिलाई के धागे	रीलों/बैग/ माह	180	10	1800
4	अन्य परिष्करण सामग्री (ज़िप , बटन , फीता, टेप और चेन और अन्य सामान)	बैग/माह	लगभग	लगभग	8000
5	स्पंज		30 mt	3600	3600
6	किराया	महीना			1000
7	अन्य (स्टेशनरी, विजली बिल, परिवहन, मशीन की मरम्मत)	महीना			1000
कुल आवर्ती लागत					23500

सी।	उत्पादन की लागत (मासिक)	
अनु क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	कुल आवर्ती लागत	23500
	कुल	23500

बैग की कीमत (प्रति बैग)					
क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	राशि (रु.)	
1	यात्रा का थैला	1	1	300-400	
2	लंच बॉक्स के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
3	पानी की बोतल के लिए कैरी बैग	1	1	100-150	
4	मिनी उपयोगिता किट	1	1	75	
5	भट्टा बैग	1	1	250	
6	मोबाइल कवर	1	1	75	
7	हैंड बैग	1	1	250-300	

आय और व्यय का विश्लेषण (महीनेके):

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1.	कुल आवर्ती लागत	23500
2.	प्रति माह सिले कुल बैग	120 (लगभग मात्रा)
3.	बैग का विक्रय मूल्य (प्रति बैग)	75-400
4.	आय सृजन (120*240)	28800
5.	शुद्ध लाभ (28800 - 23500)	5300
6.	शुद्ध लाभ का वितरण	<ul style="list-style-type: none"> लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। यह लाभ एक घंटा प्रतिदिन काम करने के आधार पर है IGA में आगे निवेश के लिए लाभ का उपयोग किया जाएगा

फंड की आवश्यकता:

क्रमांक	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल आवर्ती लागत	23500	0	23500
2	प्रशिक्षण	50000	50000	0
	कुल	73500	50000	23500

परियोजना की कुल लागत है

पूंजीगत लागत = 68800/-

आवर्ती लागत = 7800/-

कटाई, सिलाई के लिए कुल =76600/-

बैग बनाना परियोजना की लागत है

पूंजीगत लागत = 0/- (मशीन इत्यादि पूंजीगत लागत परियोजना के भाग -I में ही दर्शायी गयी है)

आवर्ती लागत = 23500/-

बैग बनाना परियोजना के लिए कुल = 23500/-

व्यवसाय योजना का कुल योग रु. केवल 100100/-

क्रम संख्या	व्यवसाय योजना	पूंजीगत लागत	आवर्ती लागत	परियोजना का हिस्सा	लाभार्थी अंशदान	कुल लागत
1.	कटाई, सिलाई	68800/-	7800/-	51600/-	25000/-	76600/-
2.	बैग बनाना	0	23500/-	0	23500/-	23500/-
	कुल	68800	31300	51600	48500	100100/-

अनुलग्नक

हम सब समूह सदस्य ने आईजीए गतिविधि में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सहमति दी है एचपी पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार और वीएफडीएस के साथ समन्वय के लिए जेआईसीए परियोजना के दिशानिर्देश के अनुसार समूह (कटाई और सिलाई एवं ~~बनाना~~ ^{बैगबनाना}) द्वारा चुना गया। सदस्यों का विवरण इस प्रकार है

क्र.स.	नाम	पद	वर्ग	उम्र	हस्ताक्षर
1.	श्रीमती ^{पत्नी} सिमला देवी श्री प्रसाद	प्रधान	सामान्य	50	श्रीमती
2.	श्रीमती ^{पत्नी} वीणा देवी श्री वीरधर सिंह	उप-प्रधान	-cb-	30	वीणा देवी
3.	श्रीमती ^{पत्नी} अनिता देवी श्री कमलेश कुमार	सदस्य	-cb-	36	अनिता देवी
4.	श्रीमती ^{पत्नी} रजना देवी श्री सतीश कुमार	सचिव	-cb-	27	रजना देवी
5.	श्रीमती ^{पत्नी} पवना देवी श्री राकेश कुमार	सदस्य	-cb-	32	पवना देवी
6.	श्रीमती ^{पत्नी} रत्ना देवी श्री रविशंकर	-cb-	-cb-	62	रत्ना देवी
7.	श्रीमती ^{पत्नी} त्रिशला देवी श्री प्रताप सिंह	-cb-	-cb-	54	त्रिशला देवी
8.	श्रीमती ^{पत्नी} पूजा देवी श्री संजीव कुमार	-cb-	-cb-	34	पूजा देवी
9.	श्रीमती ^{पत्नी} निरू देवी श्री हनुमंत सिंह	-cb-	-cb-	27	निरू देवी
10.	श्रीमती ^{पत्नी} रीना देवी श्री प्रभाद सिंह	-cb-	-cb-	38	रीना देवी
11.	श्रीमती ^{पत्नी} मीना देवी श्री कामर	-cb-	-cb-	48	मीना
12.					
13.					
14.					
15.					
16.					
17.					
18.					

हस्ताक्षर *Ranjna*
सचिव स्वयं सहायता समूह

सिमरी
हस्ताक्षर
प्रधान स्वयं सहायता समूह

हस्ताक्षर *Ranjna*
सचिव, वन ग्रामीण विकास
समिति

डॉ. जी. राज
हस्ताक्षर
प्रधान, वन ग्रामीण विकास
समिति

Ranjna Fed.
हस्ताक्षर
वन रक्षक

Ranjna
हस्ताक्षर
वन खण्ड अधिकारी

हस्ताक्षर *Ranjna*
वन परिक्षेत्र अधिकारी

Ranjna
Divisional Forest Officer,
Dharamshala Forest Division,
Dharamshala